करुणजूड निन्नु नम्मिन

(श्री श्याम शास्त्रि विरचित)

रागम्: श्री ताळम्: मिश्रचापु

पल्लवि

करुणजूड निन्नु नम्मिन वाडु गदा
इन्त पराकेलनम्मा

अनुपल्लवि

सरसिजासन माधव सन्नुत-
चरणा बृहन्नायकि वेगमे

चरणम्

दीनजनावन मूर्ति नीवनि

नेनु निन्नु नेर नम्मितिनि

गानविनोदिनि घननिभवेणि
कामितफलदा समयमिदे ॥ १ ॥

नी महिमातिशयम्बुल नेन्तनि

ने जेप्पुतुनो ललिता

हेमापाङ्गि हिमगिरिपुत्रि
महेश्वरि गिरीशरमणि नी ॥ २ ॥

श्यामकृष्णपरिपालिनि शूलिनि

सामजगमना कुन्दरदना

तामसम्बु इटु सेयक ना परि-
तापमुलनु परिहरिञ्चिन नीवु ॥ ३ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇